हंसा मेहता को सम्मान

स्रोत: द इकॉनोमिक टाइम

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के अध्यक्ष द्वारा **कूटनीति में महिलाओं के लिये अंतर्राष्ट्रीय दिवस (24 जून)** पर हंसा मेहता को सम्मानित किया।

- यह दिन **कूटनीति के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान** एवं उपलब्धियों को सम्मान तथा मान्यता प्रदान करता है।

हंसा मेहता:

- वह भारत की एक प्रमुख भारतीय **विद्वान, शिक्षिका, समाज सुधारक, लेखिका एवं राजनयिक** थीं।
- उनका **जन्म 3 जुलाई 1897** को हुआ था और साथ ही वह **महिला अधिकारों की समर्थक** भी थीं।
- मेहता द्वारा **लैंगिक समावेशी भाषा** को शामिल करने के लिये मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UDHR) को संशोधित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा **(UDHR) के अनुच्छेद 1** में कहा गया है कि **"सभी मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुए हैं जिनकी गरिमा एवं अधिकार समान हैं।**
- **वर्ष 1946** में **अखिल भारतीय महिला सम्मेलन** (AIWC) की अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने "भारतीय महिला अधिकार चार्टर" के प्रारूपण का नेतृत्व किया, जिसमें भारत में महिलाओं के लिये लैंगिक समानता, **नागरिक अधिकार एवं न्याय की मांग** की गई थी।
- वह भारत की संविधान सभा तथा **सलाहकार समिति** एवं मौलिक अधिकारों पर उप-समिति की सदस्य थीं।
- वह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में **एलेनोर रूजवेल्ट** के अतिरिक्त **एकमात्र अन्य महिला प्रतिनिधि** थीं।

और पढ़ें: महिलाओं का सशक्तीकरण, भारत की उन्नति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/honours-to-india-s-hansa-mehta